सरदार पटेल विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ८वें दीक्षान्त समारोह में दिनांक १५ दिसंबर, २०१५ को गुजरात के माननोय राज्यपाल श्री ओ० पी० कोहली जी के अभिभाषण के संकलित अंश।

- सरदार पटेल विश्वविद्यालय के ८वे दीक्षान्त समारोह मे सम्मिलित होकर प्रसन्नता हो रही है। प्रसन्नता विशेषरूप से इसलिए भी है कि इस पावन भूमि के सपूत और भारत के लौहपुरूष सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम इस विश्वविद्यालय से जुड+ा है। यह गर्व की बात है कि इस भूमि ने हमेशा राष्ट की सेवा मे आदर्श पीढि+यो को सीचा है।
- वेदकाल से ही संतो–मनीषीओ से लेकर स्वामी विवेकानंद, महात्मा गांधोजी, रवीन्द्रनाथ टैगोर जैसे महान गुरूओने हमे मूल्यवान विरासत भेट दी है, जिसने हमारे मन और दिमाग को पोषित किया है।
- हमे हमारे सपनो के भारत का निर्माण करने के लिए शिक्षा के स्तर में सुधार लाने की अत्यन्त आवश्यकता है। हमारा राष्टएक एसा राष्ट है कि जहा के लोग न केवल आयु मे वरन जोश एव उत्साह में भी युवा है, शिक्षकों पर एसी शिक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी है, जो कि मूल्यो और आधनिक विषय–सामग्री, दोनो मे समृद्ध हो। शिक्षा एक एसी प्रक्रिया है, जिससे चरित्र का निर्माण होता है, मस्तिक की शक्ति और क्षमता मे वृद्धि होती है तथा बुद्धि मे कुशाग्रता आती है।
- शिक्षा का उद्देश्य केवल उपाधि प्राप्त करने की कागजी कार्यवाही या औपचारिकता तक सीमित नही है, बल्कि उसके ध्येय उदात्त होते है और होने भी चाहिए। शिक्षा केवल नौकरी पाने का साधन नही बननी चाहिए, बल्कि उससे कहीं ज्यादा उसे समाजोपगी होना भी आवश्यक है। लोकहित से जुडे+ बगैर शिक्षा सार्थक नही होती है।
- स्वयं सरदार पटेल ने भी स्वीकार किया था कि शिक्षा देकर नई पीढ+ो को नौकरी ढूढने वाले आश्रितो के रूप मे पैदा नही करना है। उन्हे स्वनिर्भर और अच्छा नागरिक बनाना भी शिक्षा का ध्येय होना चाहिए। आज हमे इस तथ्य को गभीरतापूर्वक समझने की जरूरत है। समाज और देश के उन्नयन के लिए शिक्षा के सदुपयोग की जरूरत अभी भी बनी हुई है।
- आज विश्व के बदलते परिप्रेक्ष्य मे हमे अपनी शिक्षा–पद्धति को समझना होगा और शायद नये सिरे से उसका मूल्याकन भी करना जरूरी है। एसी स्थिति मे हमे कुछ चुनौतियो का सामना करने के लिये भी कमर कसनी होगी। जब तक हम इन हालातो को नही समझते, हम शायद अपनी शिक्षा का सही–सही उपयोग नही कर सकेंगे।
- मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि दीक्षान्त समारोह में आज यहा आदरणीय डा० लोर्ड भीखू पारेख जी उपस्थित हैं, उन्हे डाक्टर आफ लेटर्स की पदवी से सम्मानित किया गया। मै उनको हार्दिक बधाई देता हू। डा० पारेख जी ने शिक्षा के क्षेत्र मे सराहनीय कार्य किए है। मै समझता हू कि उनकी उपस्थिति सभी छात्रो के लिए प्रेरणादायी बनेगी।
- आज जिन छात्र एव छात्राओ ने उपाधिया और पदक प्राप्त किए है, उन्हे मै बहुत–बहुत बधाई एव शुभकामनाएं देता हू और आशा करता हू कि राष्ट और समाज के प्रति उनका जो दायित्व बनता है, उसको आप बखूबी निभा पाएग। इस मौके पर यहां के सभी गुरूजनो को भी मै सादुवाद देना चाहूगा, जिन्होने अपने छात्रो को एसी मेहनत और लगन से शिक्षित किया है, जिससे वे सफलता की नई उचाईयो को छू पाएं।

धन्यवाद। जय हिन्द।